Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

वर्ष- 28 अंक- 339 रायपुर, शनिवार 3 जनवरी 2026 पृष्ठ-8 मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

सुकमा और बीजापुर में मुठभेड़ में 14 नक्सली ढेर

जगदलपुर, 3 जनवरी (हाईवे चैनल)। बस्तर संभाग में आज नक्सलियों के खिलाफ जवानों ने बड़ा प्रहार किया. बीजापुर और सुकमा के इलाकों में नक्सलियों और जवानों के बीच मुठभेड़ हुई. सुरक्षाबलों की दोनों कार्रवाईयों में बीजापुर में दो नक्सलियों के शव और हथियार मुठभेड़ स्थल से बरामद किए गए हैं. वहीं सुकमा मुठभेड़ में 12 नक्सली ढेर हुए हैं.

सुकमा के किस्टाराम एरिया में नक्सलियों पर डीआरजी जवान कहर बनकर टूटे हैं. सर्च ओपरेशन के दौरान हुई मुठभेड़ में जवानों ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए कई नक्सलियों को ढेर किया, जिसमें डीवीसीएम मंगडु के भी मारे जाने की सूचना है. जानकारी के मुताबिक किस्टाराम एरिया में हुई मुठभेड़ में 12 नक्सलियों को ढेर कर दिया गया है. मुठभेड़ स्थल से सभी 12 नक्सलियों के शव के साथ एक 47 और इंसास राइफल बरामद किया गया है. नक्सल प्रभावित क्षेत्र बीजापुर में शनिवार सुबह से सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ जारी है. डीआरजी जवानों ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए दो माओवादियों को मार गिराया है. दोनों के शव बरामद कर लिए गए हैं. दोनों ओर से रुक-रुक कर गोलीबारी हो रही है. इलाके में जवानों का सर्च अभियान जारी है.

हथियार और शव बरामद

जानकारी के मुताबिक, बीजापुर जिले के दक्षिण क्षेत्र में सशस्त्र माओवादियों की मौजूदगी की जानकारी मिली, जिसके बाद जवानों ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया. डीआरजी की टीम दक्षिण बस्तर क्षेत्र में अभियान पर निकली थी. इस दौरान डीआरजी ओर माओवादियों के बीच मुठभेड़ हो गई. सुबह 05 बजे से रुक-रुक कर मुठभेड़ जारी है. इलाके में जवानों का सर्च अभियान जारी है. अब तक मुठभेड़ स्थल से दो माओवादियों के शव बरामद हुए है. बीजापुर एसपी डॉ. जितेन्द्र यादव ने घटना पुष्टि की है.

तमनार हिंसा : महिला पुलिस से बर्बरता मामले में आरोपियों की धरपकड़ तेज, कई आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़, 3 दिसम्बर (हाईवे चैनल)। तमनार ब्लॉक में 27 दिसंबर को ग्रामीणों के प्रदर्शन के दौरान पुलिस के साथ हुई शर्मनाक घटना के बाद पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए आरोपियों की धरपकड़ तेज कर दिया है। पुलिस ने तमनार सहित आसपास के अलग-अलग इलाकों से बड़ी संख्या में आरोपियों को हिरासत में लिया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में पुरुषों के साथ महिलाएं भी शामिल हैं।

बता दें कि 27 दिसंबर को जिंदल कोयला खदान को लेकर हुए आंदोलन के दौरान कुछ उपद्रवियों ने ड्यूटी पर तैनात एक महिला सिपाही के साथ शर्मनाक हरकत की थी। इतना ही नहीं, आंदोलनकारियों ने तमनार थाना प्रभारी सहित कई पुलिस कर्मियों को भी निशाना बनाया था, जिससे क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई थी। घटना के बाद पुलिस प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए विशेष टीमों का गठन किया और लगातार छापेमारी कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। अब तक कई लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। जेल परिसर और उसके आसपास भी पुलिस द्वारा कड़ी निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके।

ब्रेकिंग न्यूज

पवित्र पिपरहवा अवशेषों की अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का शुभारंभ

नई दिल्ली, 3 जनवरी (न्यज चैनल)। भगवान बुद्ध से जुड़े पवित्र पिपरहवा अवशेषों की भव्य अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी के शुभारंभ के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उनके पवित्र अवशेषों के दर्शन पाकर वह धन्य हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भगवान बुद्ध सबके हैं और सबको जोड़ते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को भगवान बुद्ध से जुड़े पवित्र पिपरहवा अवशेषों की भव्य अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा, सवा सौ साल के इंतजार के बाद भारत की विरासत लौटी है, भारत की धरोहर लौटी है। आज से भारतीय जनमानस, भगवान बुद्ध के इन पवित्र अवशेषों के दर्शन कर पाएगा, भगवान बुद्ध के आशीर्वाद ले पाएगा। मैं इस शुभ अवसर पर यहां मौजूद सभी अतिथियों का स्वागत और अभिनंदन करता हूं।

उन्होंने आगे कहा, 2026 के शुरुआत में ही यह शुभ उत्सव बहुत प्रेरणादायी है और मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि 2026 का ये मेरा पहला सार्वजनिक कार्यक्रम है, जो भगवान बुद्ध की चरणों से शुरू हो रहा है। मेरी कामना है कि भगवान बुद्ध के आशीर्वाद से 2026 दुनिया के लिए शांति, समृद्धि और सद्भाव का नया दौर लेकर आए। जिस स्थान पर यह प्रदर्शनी लगी है वो भी अपने-आप में विशेष है। किला राय पिथौरा का यह स्थान भारत के गौरवशाली इतिहास की यशभूमि है।

महाराष्ट्र की सियासत में होगा बड़ा गेम? अजित पवार के एक जवाब ने बदले पुणे के समीकरण

नई दिल्ली, 3 जनवरी (न्यज चैनल)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने शनिवार को संकेत दिया कि पुणे नगर निगम चुनाव के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) का उनका गुट शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी (एसपी) के साथ गठबंधन कर सकता है। यह घटनाक्रम पिंपरी-चिंचवाड़ नगर निगम चुनाव के लिए दोनों गुटों के बीच हुए गठबंधन के बाद सामने आया है। एनसीपी के दो गुटों के बीच संभावित पुनर्मिलन के बारे में पूछे जाने पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आपके मुंह में मिठास बनी रहे। पुणे और पिंपरी-चिंचवड सहित सभी नगर निगमों के चुनावों के लिए मतदान 15 जनवरी को होगा। वोटों की गिनती महाराष्ट्र राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) द्वारा 16 जनवरी को की जाएगी।

पिछले महीने, शरदचंद्र पवार ने घोषणा की थी कि एनसीपी और एनसीपी (एसपी) पिंपरी-चिंचवाड़ नगर निगम चुनाव एक साथ लड़ेंगी। 28 दिसंबर को पिंपरी-चिंचवाड़ में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा था कि वे कभी भी दलबदल की राजनीति में शामिल नहीं हुए, और साथ ही यह भी कहा था कि दोनों पार्टियां जल्द ही सीट बंटवारे के समझौते की घोषणा करेंगी। उन्होंने कहा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और शरदचंद्र पवार गुट ने पिंपरी-चिंचवाड़ में एक साथ चुनाव लड़ने का फैसला किया है। इसी वजह से परिवार एक बार फिर एकजुट होगा...

बिरादरी की बातें

चूहा- सुनती हो, इंदौर में दूषित पानी मामले में हाईकोर्ट ने नगर निगम को फटकार लगाई है।

चुहिया- हां जी, अब फटकार से क्या होगा। जो चले गए वो वापस थोड़े आएंगे!

एसीबी ने एसडीएम के बाबू को 1 लाख रुपए रिश्वत लेते हुए दबोचा

रायगढ़, 3 दिसम्बर (हाईवे चैनल)। एसीबी की टीम ने नए साल की शुरुआत में ही बड़ी कार्रवाई करते हुए रायगढ़ के धर्मजयगढ़ एसडीएम कार्यालय में तैनात बाबू अनिल कुमार चेलक को गिरफ्तार किया है। आरोपी बाबू एक ग्रामीण से 1 लाख रुपए रिश्वत ले रहा था। डीएसपी एसीबी बिलासपुर अजितेश सिंह ने बताया कि 24.12.25 को ग्राम अमलीटिकरा तहसील धर्मजयगढ़ जिला रायगढ़ निवासी राजू कुमार यादव द्वारा एसीबी इकाई बिलासपुर में शिकायत की थी। पीड़ित ने बताया कि उसने अपने नाम पर ग्राम अमली टिकरा में एक जमीन क्रय की थी। उक्त जमीन का रजिस्ट्री उपरांत नामांतरण भी उसके नाम पर हो चुका है। एसडीएम कार्यालय धर्मजयगढ़ के बाबू अनिल कुमार चेलक द्वारा उसे बुलाकर यह कहा गया था कि जिस जमीन को वह खरीदे हैं, वह गलत तरीके से रजिस्ट्री हुई है, जिसके संबंध में उसके खिलाफ और विक्रेता के खिलाफ एक शिकायत हुई है।

बाबू ने उसे बाद में बुलाने पर मिलने को कहा। 22.12.25 को बाबू द्वारा उसे मिलने के लिए बुलाया गया जिस पर वह 23.12.25 को मिला। बाबू अनिल चेलक द्वारा उससे शिकायत को नस्तीबद्ध करने के बदले में 2 लाख रुपए की मांग की गई थी। बाबू अनिल चेलक को पीड़ित रिश्वत नहीं देना चाहता बल्कि उसे रिश्वत लेते हुए पकड़वाना चाहता था। ष्टक्र में की गई शिकायत का सत्यापन में सही पाई गई।

शक होने पर बाबू ने बंद किया दरवाजा- आरोपी बाबू और पीड़ित के बीच प्रथम किश्त में 1 लाख रुपए देने की सहमति बनी। इधर एसीबी द्वारा ट्रैप की योजना तैयार की गई। आज 2 जनवरी को प्रार्थी 1 लाख रुपए को आरोपी को देने धर्मजयगढ़ स्थित शासकीय आवास पहुंचा था। 1 लाख रुपए को आरोपी अनिल चेलक द्वारा अपने हाथ में लेने के बाद कुछ संदेह होने पर उसने तुरंत आवास का दरवाजा बंद कर लिया और दरवाजे को नहीं खोला। लगातार प्रयास के बाद एसीबी टीम द्वारा दरवाजे को जोर से धक्का देकर खुलवाया गया।

रिश्वत की रकम को बाहर फेंक दिया था बाबू ने- आवास में आरोपी के मिलने पर पहले आरोपी ने रिश्वती रकम के बारे में कुछ नहीं बताया, फिर पूछताछ करने पर रिश्वत को बैग में डालकर दीवार के पीछे तरफ फेंकना बताया। इसके बाद एसीबी की टीम ने 100000 रुपए को बरामद कर लिया है। आरोपी के विरुद्ध विरुद्ध धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 के तहत कार्यवाही की जा रही है।

8वें वेतन आयोग से पहले सरकार ने कुछ अहम नियमों में किया बदलाव

नई दिल्ली, 3 जनवरी (न्यज चैनल)। केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए बड़ी राहत की खबर सामने आई है। 8वें वेतन आयोग से पहले सरकार ने कुछ अहम नियमों में बदलाव किया है, जिसका सीधा फायदा करीब डेढ़ करोड़ कर्मचारियों और पेंशनर्स को मिलने वाला है। इन बदलावों का सबसे बड़ा असर सैलरी और पेंशन भुगतान पर पड़ेगा, जहां बढ़ी हुई रकम एरियर के साथ मिलने की संभावना है। बता दें कि 31 दिसंबर 2025 को 7वें केंद्रीय वेतन आयोग का 10 साल का कार्यकाल औपचारिक रूप से पूरा हो चुका है। जनवरी 2016 से लागू इस आयोग ने करीब 1.2 करोड़ कर्मचारियों और पेंशनर्स की सैलरी, भत्तों और पेंशन की दिशा तय की थी। अब निगाहें पूरी तरह 8वें वेतन आयोग पर टिक गई हैं, जिसकी प्रक्रिया औपचारिक तौर पर आगे बढ़ चुकी मानी जा रही है। परंपरा के मुताबिक हर 10 साल में नया वेतन आयोग लागू होता है। इसी क्रम में 8वें वेतन आयोग की सिफारिशें 1 जनवरी 2026 से प्रभावी मानी जा रही हैं। हालांकि, सिफारिशों को अंतिम रूप देकर लागू करने में आमतौर पर 18 से 24 महीने का वक्त लगता है। ऐसे में अगर देरी होती है, तो कर्मचारियों और पेंशनर्स को बढ़ी हुई सैलरी और पेंशन एरियर के साथ मिलने की संभावना रहती है। 7वें वेतन आयोग का सबसे बड़ा असर बेसिक सैलरी में ऐतिहासिक बढ़ोतरी के रूप में देखने को मिला। लेवल-1 के कर्मचारियों की न्यूनतम बेसिक सैलरी 7,000 रुपये से बढ़कर 18,000 रुपये हो गई थी, जो अपने आप में एक बड़ा बदलाव था।

आदि कर्मयोगी अभियान : वर्ष 2030 तक लक्षित ग्रामों को विकसित गांवों के रूप में परिवर्तित करने का लक्ष्य

रायपुर, 3 दिसम्बर (हाईवे चैनल)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आव्हान और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के कुशल नेतृत्व में आदि कर्मयोगी अभियान के तहत् राज्य के जनजातीय समाज को सशक्त एवं विकास की मुख्यधारा में लाने के लिए निरंतर प्रयास किया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी जी के विकसित भारत के संकल्प अवश्य पूरा करने राज्य के चिन्हांकित गांवों को वर्ष 2030 तक विकसित गांवों के रूप में परिवर्तित करने का लक्ष्य रखा गया है।

राज्य के 28 जिलों के 6,650 जनजातीय बाहुल्य ग्रामों का चयन

आदिमजाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने बताया कि आदि कर्मयोगी अभियान के तहत् राज्य के 28 जिलों के 6 हजार 650 जनजातीय बाहुल्य ग्रामों को चिन्हांकित किया गया है। इस अभियान के तहत् जनजातीय बहुल्य क्षेत्रों के ही उनके भाषा व बोली को समझने वाले 1 लाख 47 हजार 935 आदि कर्मयोगी तैयार किए जा चुके हैं जो लगातार जनजातीय समाज के जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिए शासन की योजनाओं से उन्हें लाभान्वित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं ष्प्रमुख सचिव बोरा ने बताया कि इस अभियान के तहत् 2 लाख 17 हजार 343 हितग्राहियों का आधारकार्ड, 149,859 का आयुष्मान कार्ड, 54,248 को पीएम किसान सम्मान निधि और 85,276 को पीएम जनधन से लाभान्वित किया गया है। अभियान को और कारगार बनाने के उद्देश्य से चिन्हांकित ग्रामों के विलेज एक्शन प्लान तैयार करने के लिए गांवों में एन्ट्री पाईट एक्टिविटी, ग्राम भ्रमण तथा ग्रामीणों एवं स्थानीय समुदायों के साथ विलेज विजनिंग एक्सासाईज पर जोर दिया जा रहा है।

आदि कर्मयोगी अभियान देशभर के 30 राज्यों में संचालित- गौरतलब है कि देश की आजादी के बाद यह पहला अवसर है जब किसी सरकार ने जनजातीय समाज के जीवन स्तर को उपर उठाने के लिए देशव्यापी अभियान छेड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनजातीय समाज के लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोज़गार जैसे मूलभुत सुविधाओं से जोड़ने और इनका लाभ दिलाने के लिए आदि कर्मयोगी अभियान की शुरूआत की है। यह अभियान देशभर के 30 राज्यों में संचालित किया जा रहा है।

सिंथेटिक हेरोइन सप्लाई करने वाले दो गिरोह का भंडाफोड़ एक महिला सहित 9 आरोपी गिरफ्तार, 8.90 लाख कैश जब्त

दुर्ग, 3 जनवरी (हाईवे चैनल)। नशे के विरुद्ध चल रहे ऑपरेशन विश्वास के तहत दुर्ग पुलिस ने सिंथेटिक हेरोइन (चिट्टा) की तस्करी करने वाले दो गिरोहों को पकड़ा है। कार्रवाई में एक महिला सहित ९ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों से कुल ५१.७३ ग्राम हेरोइन, २८१ ग्राम डोडा चूरा, एक स्वीफ्ट कार, ९ मोबाइल फोन और लगभग ९ लाख रुपये नकद जब्त किए हैं।

प्रेस कॉफ्रेंस में एएसपी सुखनंदन सिंह राठौर ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि जामुल क्षेत्र के ढांचा भवन कुरूद में रहने वाली एक महिला अपने बेटे किशन सिंह के साथ पंजाब से चिट्टा मंगवाकर बेचती है। सूचना के आधार पर घर में दबिश दी गई, जहां से ३३.३६० ग्राम चिट्टा और २८१.८५ ग्राम डोडा चूरा बरामद किया गया। पूछताछ में महिला ने बताया कि वह चिट्टा २० हजार रुपये प्रति ग्राम की दर से बेचती है और सप्लाई का काम उसका बेटा करता है। पुलिस ने उसके पास से ८ लाख ९० हजार ४०० रुपये नकद भी जब्त किए। इसी तरह खुर्सीपार थाना क्षेत्र में मिनी स्टेडियम सुलभ के पास संदिग्ध हालत में मिले मिथलेश पाठक और परमेश्वर ठाकुर उर्फ पिंटू डेफिनेट से क्रमशः ८ ग्राम और ६ ग्राम चिट्टा बरामद किया गया। दोनों ने पूछताछ में बताया कि वे पंजाब से चिट्टा लाकर दुर्ग-भिलाई में सप्लाई करते हैं। इनकी निशानदेही पर पुलिस ने दीपक गुप्ता, निहाल राय, लोकेश अवस्थी, रणदीप सिंह और मोहम्मद अल्ताफ से भी चिट्टा बरामद किया। पुलिस के मुताबिक आरोपियों का नेटवर्क शहर में कई पेडलरों के जरिए काम करता था। जामुल और खुर्सीपार थानों में एनडीपीएस ए१८ के तहत अपराध दर्ज कर सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है। पुलिस अब सप्लाई चेन के अन्य स्रोतों और संपर्कों की तलाश कर रही है। गिरफ्तार आरोपी-१.किशन सिंग उम्र २५ साल साकिन जोन-३ खुर्सीपार, २.मिथिलेश पाठक उम्र ४३ साल सा. जोन-३ खुर्सीपार, ३.परमेश्वर ठाकुर उर्फ पिन्टू डेफनेट उम्र २५ साल सा. जोन-३ खुर्सीपार, ४.दीपक कुमार उम्र ३६ साल सा. इन्दिरा चौक खुर्सीपार, ५. निहाल राव उम्र १९ साल सा. सेक्टर १ भिलाई भट्ठी, ६.लोकेश अवस्थी उम्र २१ साल सा. देवार मोहल्ला खुर्सीपार, ७. मोह. अल्ताफ उम्र २४ साल सा. कनाल रोड खुर्सीपार, ८.रणदीप सिंह उम्र २३ साल सा.-मसाल चौक न्यू खुर्सीपार, ९. एक महिला शामिल है।

अन्न दान का महापर्व छेरछेरा की धूम, दान मांगने घर-घर पहुंची बच्चों की टोली

रायपुर/खरोरा, 3 जनवरी (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ का लोक त्यौहार छेरछेरा है जो पौष पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है यह पर्व छत्तीसगढ़ में हर्षोल्लास और खुशियों के साथ मनाया गया । उत्सव और लोक परंपराएं छत्तीसगढ़ की खास पहचान हैं। अन्न दान का लोकपर्व छेरछेरा हर साल पौष यानी पूस महीनें की पूर्णिमा तिथि को पूरे छत्तीसगढ़ में उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह से ही बच्चें, युवक व युवतियां हाथ में थैला, टोकरी, झोली व बोरी आदि लेकर घर-घर छेरछेरा मांगने अर्थात् दान मांगने के लिए गए। घर वालें भी उत्साह के साथ धान का दान कर झोलियां भर दिए।

ग्रामीण अंचलों के गांवों में दिन भर छेरछेरा... माई कोठी के धान ल हेरहेरा... अरन-बरन कोदो दरन...जभे देबे तभे टरन, की गुंज गुंजती सुनाई देती रही। वहीं छेरछेरा के सप्ताह भर पहले से ही गांवों में युवकों की टोलियां डंडा नृत्य करते भी नजर आए। हालांकि अब डंडा नृत्य करने वालों की टोली बिरले ही नजर आतें हैं। मान्यता है कि इस त्यौहार पर जो भी दान किया जाता है वह महादान होता है। अन्न दान के महापर्व छेरछेरा के दिन अन्नपूर्णा देवी तथा मां शाकंभरी देवी की भी पूजा की जाती है। छेरछेरा पर्व में अन्न दान की परंपरा का निर्वहन किया जाता है। इस दिन झांझ, मंजीरा, मांदर और बैंड बाजे की धुन में वाद्य यंत्रों व पारंपरिक बाजे-गाजे के साथ नर्तक दल और युवाओं की टोली दान मांगने द्वार-द्वार पर दस्तक देतें हैं। किसान भी खुले हाथों से बच्चों को अन्न का दान करते हैं। और धान, चांवल व नकदी दान के रूप में देतें हैं। इस दिन अमीर और गरीब सभी लोग दान मांगते हैं। छेरछेरा के दिन छत्तीसगढ़ के अनेक क्षेत्रों में पारंपरिक छेरछेरा पुन्नी मेला का भी आयोजन किया जाता है।

सामाजिक समरसता को बढ़ावा

छेरछेरा पर्व कृषि प्रधान संस्कृति में दानशीलता की प्राचीन परंपरा को याद दिलाता है। यह महापर्व यहां की सामाजिक, सांस्कृतिक व धार्मिक एकता को मजबूती प्रदान करता है। उत्सवधर्मिता से जुड़ा छत्तीसगढ़ ऐसे त्यौहारों के माध्यम से अपनी सुख-दुख की अभिव्यक्ति करता है। इससे सामाजिक समरसता को भी बढ़ावा मिलता है। धान का दान देने की परंपरा का पालन आज भी ग्रामीण इलाकों में श्रद्धा भाव से किया जाता है। यह पर्व न केवल सांस्कृतिक बल्कि धार्मिक महत्व का भी पर्व है। इस दिन गली-मोहल्लें के घरों के सामने गोल घेरा बनाकर छेरछेरा गीत गाते हुए नृत्य करते बच्चों को घर वालों द्वारा जो भी दान मिलता है उसे आपस में बांटते है। इस परंपरा से आपसी भाईचारा की भावना बढ़ती है।

छेरछेरा पर्व की मान्यता

छेरछेरा पर्व को लेकर कुछ पौराणिक एवं प्रचलित कथाओं का भी जिक्र आता है। कई जनश्रुतियां व किवदंतियां भी इस पर्व को और अधिक प्रमाणिक सिद्ध करता है। कहा जाता है कि जब फसल तैयार हो जाती है तो फसल के खेतों से खलिहानों में आने की खुशी और अच्छी फसल को लेकर आद्रा और पुर्नवसु नक्षत्र में लोक पर्व छेरछेरा मनाया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इसी दिन से ग्रामीण अंचलों में शुभ कार्यो की भी शुरुआत हो जाती है। छत्तीसगढ़ एक कृषि प्रधान प्रदेश है यहाँ के किसान वर्ग के लिए कृषि ही जीवकोपार्जन का मुख्य साधन है इसी कारण कृषि आधारित जीवन शैली व आस्था और विश्वास के कारण ही अन्न दान करने का पर्व छेरछेरा अपने धन की पवित्रता हेतु मनाया जाता है।

छेरछेरा का उत्साह देखते ही बन रहा, सुबह से बच्चे सहित युवा, युवती निकले छेरछेरा मांगने

तिल्दा-नेवरा, 3 जनवरी (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ की पारम्परिक त्यौहार छेरछेरा पूर्णिमा आज है, पौष माह की पूर्णिमा को मनाया जाने वाला यह छेरछेरा पर्व केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि ग्रामीण जीवन दान की परंपरा का उत्सव भी है। छेरछेरा पर्व का मूल भाव यह है कि इस दिन अन्नदान को एक बड़ा पुण्य माना गया है। तिल्दा नेवरा शहर सहित ग्रामीण अंचलों में सुबह से बच्चे टोलियों में निकले है और घर-घर जाकर छेरछेरा मांगते हुए नारा देते हुए कह रहे है

छेरछेरा, माई कोठी के धान ला, हेरहेरा- क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों सहित शहरी ग्रामीण क्षेत्र में आज भी छेरछेरा की परंपरा जीवंत है। बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी इस पर्व में समान रूप से भाग लेते हैं। घरों में चावल, धान, या नगद राशि दान स्वरूप दी जाती है। तिल्दा नेवरा शहर के ही वार्ड 19 सहित कई वार्डों में आज शनिवार सुबह से बच्चे, युवा, युवती टोली बनाकर एवं बाजे गाजे के साथ छेरछेरा मांगने निकले हुए है। आज शनिवार सुबह लगभग 6 बजे से यह छेरछेरा पर्व बड़े ही उत्साह के साथ तिल्दा नेवरा में मनाया जा रहा है।